

आज

बेबाक

मोबाइल पर कॉल करते ही बिग-बी की आवाज सुन-सुन कर अब लोगों के कान पक गए हैं। जो शख्स खुद सपरिवार कोरोना वायरस का शिकार रह चुका है उसके मुंह से कोरोना वायरस से बचने की नसीहत देना वैसे भी लोगों के लिए बेमानी है। एक सैनिक सहित कई लोगों ने अमिताभ बच्चन की आवाज के खिलाफ आवाज उठाई है लेकिन न तो मोबाइल कंपनियां इस तरफ ध्यान दे रही हैं और न ही सरकार के कार्यों में जूं रेंग रही है। इसके पहले कि लोगों का गुस्सा फूटे मोबाइल पर बिग-बी का बोलबचन बंद किया जाना चाहिए।

खास- खबर

बंगाल चुनाव को लेकर ‘लव जिहाद’ को बनाया जा रहा मुद्दा : राउत

रायपुर/नवप्रदेश। देश में ‘लव जिहाद’ को लेकर एक नई बहस छिड़ चुकी है। बीजेपी शासित कई राज्यों में इसके खिलाफ कानून पारित करने की तैयारी चल रही है। वहीं, कांग्रेस शासित राज्यों ने इसका विरोध किया है। इस मामले में जब शिवसेना के प्रवक्ता और राज्यसभा सांसद संजय राउत से सवाल पूछा गया तो उन्होंने कहा कि पश्चिम बंगाल चुनाव को लेकर इसे मुद्दा बनाया जा रहा है। संजय राउत ने कहा कि ‘लव जिहाद’ को लेकर काफी चर्चाएं चल रही हैं। मुझे लगता है कि यह एक गंभीर मामला है। पश्चिम बंगाल चुनाव आ रहा है, एक नया विषय सामने लाया जाना चाहिए। हमारा मानना है कि चुनाव के लिए विकास एक प्रमुख मुद्दा है लेकिन ‘लव जिहाद’ पर चर्चा की जाएगी।

उग्र में शादियों में बैंड-डीजे पर रोक

लखनऊ/ए.। शादियों के लिए नई गाइडलाइन जारी कर दी गई है। इसके मुताबिक बैंड व डीजे पर रोक लगा दी गई है। वहीं घर में शादी समारोह आयोजित करने पर जिला प्रशासन से अनुमति नहीं लेनी होगी। उत्तर प्रदेश की योगी सरकार ने सोमवार को ये नई गाइडलाइन जारी की है। इसके मुताबिक अगर मैरिज हाल की क्षमता 100 की है, तो वहां कार्यक्रम में सिर्फ 50 लोग शामिल होंगे। नये नियम के उद्देश्य पर मुकदमा होगा। शादी में बुजुर्ग, बीमार लोगों को आमंत्रित नहीं किया जा सकेगा। कोविड प्रोटोकॉल का उद्देश्य करने पर धारा 144 और 188 के तहत कार्रवाई होगी।

शेयर बाजार

सेंसेक्स- 44077.15

निफ्टी- 12926.45

गोल्ड- 50114 (10 ग्र.)

सिल्वर- 61571 (1 कि ग्र.)

अच्छी खबर

दाम कम, अच्छा असर, ऑक्सफोर्ड की वैक्सीन से भारत को उम्मीद

पुणे/ए.। कोविड-19 वैक्सीन की फाइनल रिस शुरू हो गई है। एक-एक करके फार्मा कंपनियां अपने वैक्सीन ट्रायल का डेटा सामने रख रही हैं। अबतक फाइजर, मॉडर्ना और ऑक्सफोर्ड-एस्ट्राजेनेका के फेज 3 ट्रायल्स का डेटा आया है। ऑक्सफर्ड की वैक्सीन ‘कोविशील्ड’ से भारत को खासी उम्मीदें हैं क्योंकि इसके लिए सीरम इंस्टिट्यूट ऑफ इंडिया ने एस्ट्राजेनेका से डील की है। ऑक्सफोर्ड-एस्ट्राजेनेका की वैक्सीन कोविड-19 को रोकने में कारगर रही है। इसका दाम भी कम है। वैक्सीन के फेज 3 ट्रायल का अंतरिम एनालिसिस बताता है कि ओवरऑल इसकी एफिसिएंसी (प्रभावोत्पादकता) 70.4 फीसदी रही है।

यूके ब्राजील व भारत में ट्रायल

ऑक्सफर्ड वैक्सीन का ट्रायल यूके, ब्राजील, भारत समेत कई देशों में चला व अभी भी चल रहा है। सीरम इंस्टीट्यूट कोविशील्ड की 100 करोड़ डॉज तैयार करेगा। भारत सरकार सीरम इंस्टिट्यूट के संपर्क में है और वैक्सीन खरीदने को लेकर बातचीत जारी है।

खास बात यह है कि रिसर्चर्स कह रहे हैं कि डोज की मात्रा बदलने पर वैक्सीन और

500 से 600 रुपए होगा दाम

सूत्रों के मुताबिक, यह वैक्सीन करीब 500-600 रुपये में मिलेगी। लेकिन

सरकार के लिए इसकी कीमत आधी हो जाएगी। ‘कोविशील्ड’ न सिर्फ ऑक्सफोर्ड यूनिवर्सिटी जैसी प्रतिष्ठित रिसर्च संस्था ने बनाई है, बल्कि यह 90फीसदी तक असरदार भी है। इसको स्टोर करने के लिए बहुत कम तापमान की जरूरत नहीं है। और दाम भी बाकी वैक्सीन से कम हैं। ऐसे में हर लिहाज से यह वैक्सीन भारत के लिए सबसे अच्छी मालूम होती है।

असरदार साबित हो रही है। जब वैक्सीन की पहली डोज आधी और दूसरी डोज पूरी

कोई गंभीर साइड इफेक्ट नहीं

अबतक इस वैक्सीन से किसी तरह के गंभीर साइड इफेक्ट की बात सामने नहीं आई है। यूके में एक पॉटेंसिएंट की तबीयत बिगड़ने पर जरूर ट्रायल रोक़ा गया था लेकिन उससे वैक्सीन की सेफ्टी पर कोई आंच नहीं आई थी। ताजा नतीजों में भी किसी तरह के सेफ्टी इशूयूज की बात नहीं है। यानी वैक्सीन देने पर किसी तरह का रिएक्शन या प्रतिकूल प्रभाव होने की संभावना न के बराबर है।

सरकार की सबसे बड़ी प्राथमिकता महिला सशक्तीकरण

मुख्यमंत्री चौहान ने वर्चुअल क्रेडिट कैम्प में महिलाओं को 150 करोड़ रूपए की ऋण राशि अंतरित की

सरकारी खरीद में एक हिस्सा महिला स्व-सहायता समूहों के उत्पादों का होगा

मॉल्स में भी रखी जाएंगी स्व-सहायता समूहों द्वारा निर्मित सामग्री

भोपाल/ नवप्रदेश। मुख्यमंत्री श्री शिवराज सिंह चौहान ने कहा है कि मध्यप्रदेश सरकार की सबसे बड़ी प्राथमिकता महिलाओं का सशक्तीकरण है। इसके लिए सरकार उन्हें विभिन्न गतिविधियों के लिए 4 प्रतिशत ब्याज पर बैंकों से ऋण दिला रही है तथा शेष ब्याज की राशि मध्यप्रदेश सरकार भर रही है। इस वर्ष महिलाओं को उनकी आर्थिक गतिविधियों के लिए 1400 करोड़ की राशि दिलाई जा रही है। इसी के साथ यह भी निर्णय लिया गया है कि सरकारी



खरीद का एक हिस्सा महिला स्व-सहायता समूहों के उत्पादों का होगा। उनकी बनाई सामग्रियों को बाजार प्रदान करने तथा प्रोत्साहित करने के लिए शहरों में मॉल्स में भी रखा जाएगा। मुख्यमंत्री श्री चौहान ने आज मंत्रालय से वीडियो कान्फ्रेंस द्वारा स्व-सहायता समूहों की



महिलाओं के वर्चुअल क्रेडिट कैम्प में उन्हें 150 करोड़ रूपए की ऋण राशि सिंगल क्लिक के माध्यम से अंतरित की। इस अवसर पर पंचायत एवं ग्रामीण विकास मंत्री श्री महेन्द्र सिंह सिंसोदिया, स्कूल शिक्षा मंत्री श्री इन्दर सिंह परमार, अपर मुख्य सचिव श्री मनोज श्रीवास्तव

आदि उपस्थित थे।

मसूरी गई IAS लोगों को पढ़ाने

पंडोला, श्योपुर के बिस्मिल्ल स्व-सहायता समूह की मोबिना बहन ने बताया कि उनके समूह की महिलाएं अलग-अलग आर्थिक गतिविधियां कर रही हैं तथा हर सदस्य प्रतिमाह 15 से 20 हजार रूपए की मासिक आय कर रही है। पहले उन्हें बैंक से 50 हजार मिले, फिर 2 लाख जो कि उन्होंने वापस कर दिए। अब 3 लाख का लोन पास हो गया है। मोबिना स्व-सहायता समूहों के संबंध में दूर अधिकारियों को पढ़ाने मसूरी भी जा चुकी है। मुख्यमंत्री चौहान को लक्ष्मी स्व-सहायता शेष पृष्ठ 7 पर

बहनें करें ग्राम का विकास

मुख्यमंत्री श्री चौहान ने अनूपपुर जिले के अनुराधा स्व-सहायता समूह की बहन ऊषा राठौर से बातचीत के दौरान कहा कि बहनें न केवल आर्थिक गतिविधियों के माध्यम से गांव को स्वावलंबी एवं मध्यप्रदेश को आत्मनिर्भर बनाएं बल्कि ग्रामीण नेतृत्व में हिस्सा लेकर गांवों का विकास भी करें। बहन ऊषा ने मुख्यमंत्री श्री चौहान को बताया कि पहले उन्होंने बैंक से एक लाख का ऋण लिया था, फिर दो लाख का और अब तीन लाख का ऋण लिया है। उनका समूह होटल, कृषि, अण्डे की दुकान, किराना दुकान, सब्जी उत्पादन, ट्रैक्टर संचालन आदि गतिविधियां करता है तथा प्रतिमाह 20 से 25 हजार रूपए कमाता है। इस पर मुख्यमंत्री श्री चौहान ने बहनों को बधाई देते हुआ कहा कि यह है आत्मनिर्भर मध्यप्रदेश का उदाहरण।

ड्रग्स मामला : कॉमेडियन भारती और उनके पति हर्ष लिंबाचिया को जमानत

नई दिल्ली/ए.। सुशांत सिंह राजपूत की मौत के बाद बॉलीवुड में सामने आए ड्रग्स मामले में कॉमेडियन भारती सिंह और उनके पति हर्ष लिंबाचिया को सोमवार को कोर्ट से बड़ी राहत मिली है। मुंबई की कोर्ट ने दोनों की गिरफ्तारी के अगले दिन उन्हें जमानत दे दी। इससे पहले, मुंबई की एक अदालत ने कॉमेडियन भारती सिंह और उनके पति हर्ष को चार दिसंबर तक न्यायिक हिरासत में भेज दिया था। नारकोटिक्स कंट्रोल ब्यूरो



(एनसीबी) ने घर से गांजा बरामद होने पर दोनों को गिरफ्तार किया था। अदालत को इनकी जमानत याचिकाओं पर सोमवार को सुनवाई करनी थी। इसके बाद सोमवार को शेष पृष्ठ 7 पर

हिरासत में भेजे जाते ही दायर की थी याचिकाएं

वहीं, एनसीबी के अधीनस्थ अतुल साय्याडे ने बताया था, ‘अदालत ने दोनों आरोपियों को चार दिसंबर तक न्यायिक हिरासत में भेज दिया।’ न्यायिक हिरासत में भेजे जाने के शीघ्र बाद टंपल्ट ने वकील अयाज खान के जरिए जमानत याचिकाएं दायर की थी। जांच एजेंसी के एक अधिकारी ने पहले बताया था कि एक गुप्त सूचना के आधार पर

असम के सीएम रहे तरुण गोगोई का निधन

नई दिल्ली/ए.। असम के सबसे लंबे समय तक मुख्यमंत्री रहने का रिकॉर्ड बनाने वाले कांग्रेस के दिग्गज नेता तरुण गोगोई का 84 साल की उम्र में सोमवार को निधन हो गया। राज्य के स्वास्थ्य मंत्री हेमंत बिस्वा शर्मा ने बताया कि लंबे समय से बीमार चल रहे पूर्व मुख्यमंत्री का आज शाम पांच बजकर 34 मिनट पर देहांत हो गया। तरुण गोगोई 2001 से 2016 तक असम के मुख्यमंत्री रहे। कांग्रेस के 84 वर्षीय दिग्गज नेता को कोरोना वायरस संक्रमण से मुक्त होने के बाद पैदा हुई दिक्कतों की वजह से दो नवंबर को जेएमसीएच अस्पताल में भर्ती कराया गया था। कई सारे अंगों के निष्क्रिय पड़ने के बाद वह जीवन रक्षक प्रणाली के सहारे से थे।



कोरोना : दिल्ली, महाराष्ट्र, असम गुजरात को ‘सुप्रीम’ फटकार

शीर्ष अदालत ने अगली सुनवाई में मांगा जवाब

नई दिल्ली/ए.। दिल्ली, महाराष्ट्र, गुजरात और असम में कोरोना से बिगड़ते हालात के बीच सुप्रीम कोर्ट ने इन सभी राज्य सरकारों से जवाब मांगा है। जस्टिस अशोक भूषण की अध्यक्षता वाली खंडपीठ ने दिल्ली सरकार से पूछा, ‘पिछले दो हफ्तों में स्थिति बदतर हो गई है। हमारा सवाल है कि मौजूदा स्थिति क्या है और आप क्या कदम उठा रहे हैं?’



कहा। साथ ही केन्द्र सरकार से किस तरह की मदद चाहते हैं यह भी बताएं। खंडपीठ कोरोना के संकट और शवों के दुरुपयोग मामले पर सुनवाई कर रही है। पिछले कुछ सप्ताह से दिल्ली में कोरोना से हालात बदतर होती चली जा रही है। जस्टिस अशोक भूषण की अध्यक्षता वाली खंडपीठ ने दिल्ली सरकार से पूछा, ‘पिछले दो हफ्तों में स्थिति बदतर हो गई है। हमारा सवाल है कि मौजूदा स्थिति क्या है और आप क्या कदम उठा रहे हैं?’

दिल्ली दंगा

फैजान की जमानत के खिलाफ दिल्ली पुलिस की याचिका खारिज

नई दिल्ली। उच्चतम न्यायालय ने दिल्ली दंगा मामले के एक आरोपी फैजान खान की जमानत रद्द करने संबंधी याचिका सोमवार को खारिज कर दी। फैजान के खिलाफ जामिया कॉर्पोरेशन कमेटी के छात्रों को व्हाट्सएप ग्रुप बनाने के लिए सिम उपलब्ध करवाने को लेकर गैरकानूनी गतिविधि निरोधक कानून (यू ए पी ए) के तहत गिरफ्तार किया गया था। दिल्ली उच्च न्यायालय ने गत माह फैजान को जमानत पर रिहा करने का आदेश दिल्ली पुलिस को दिया था। दिल्ली पुलिस ने फैजान को जमानत पर रिहा किए जाने के उच्च न्यायालय के फैसले को शीर्ष अदालत में चुनौती दी थी। न्यायमूर्ति अशोक भूषण, न्यायमूर्ति आर सुभाष रेड्डी और न्यायमूर्ति एम आर शाह की खंडपीठ ने सोमवार को सुनवाई के दौरान दिल्ली पुलिस की याचिका खारिज कर दी। गौरतलब है कि उच्च न्यायालय ने गत 24 अक्टूबर को फैजान को इस आधार पर जमानत पर रिहा करने का आदेश दिया था कि पुलिस के पास आरोपी के खिलाफ कोई ठोस सबूत नहीं था।

कोरोना इफेक्ट

लखनऊ दिल्ली की तेजस आज से अगले आदेश तक बंद



लखनऊ। देश की पहली कारपोरेट ट्रेन लखनऊ से दिल्ली के बीच चलने वाली तेजस एक्सप्रेस को आज से अगले आदेश तक के लिये बंद कर दिया गया है। तेजस का संचालन आईआरसीटीसी के जिम्मे था । रेलवे सूत्रों ने सोमवार को यहां कहा कि किराया के ज्यादा होने पर यात्री इस ट्रेन से टिकट बुक नहीं करा रहे हैं। यात्रियों के अभाव में इसे बंद कर दिया गया है। तेजस का संचालन पिछले साल चार अक्तूबर को शुरू किया गया था।दीपावली पर भी तेजस में सीटें खाली रहीं।

आदेश

राजीव गांधी के हत्यारे पेराखिलन की पैरोल अवधि एक सप्ताह और बढ़ी

नईदिल्ली। उच्चतम न्यायालय ने पूर्व प्रधानमंत्री राजीव गांधी की हत्या के दोषी एजी पेराखिलन की पैरोल अवधि एक सप्ताह और बढ़ाने का सोमवार को निर्देश दिया। न्यायमूर्ति एल नागेश्वर राव, न्यायमूर्ति हेमंत गुप्ता और न्यायमूर्ति अजय रस्तोगी की खंडपीठ ने एजी पेराखिलन की याचिका की सुनवाई करते हुए तमिलनाडु सरकार को पैरोल अवधि एक सप्ताह और बढ़ाने का आदेश दिया। इतना ही नहीं शीर्ष अदालत ने राज्य सरकार को यह भी आदेश दिया कि याचिकाकर्ता की चिकित्सा जांच के दौरान पर्याप्त पुलिस सुरक्षा मुहैया कराई जाए। पेराखिलन 30 अक्टूबर को पैरोल पर बाहर आया था और उसकी पैरोल अवधि सोमवार को खत्म हो रही थी। इस बीच, सुनवाई के दौरान मामले की जांच कर रही एजेंसी केंद्रीय जांच ब्यूरो (सीबीआई) ने सुप्रीम कोर्ट को बताया है कि पेराखिलन को रिहा करने में उसकी कोई भूमिका नहीं है।



समस्या टालने से नहीं समाधान खोजने से समाप्त होती है : मोदी

नई दिल्ली । प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने सोमवार को कहा कि समस्याएं उन्हें टालने से नहीं बल्कि उनका समाधान खोजने से समाप्त होती हैं और उनकी सरकार ने देश में वर्षों से लंबित परियोजनाओं को इसी सिद्धांत पर चलते हुए पूरा किया है। मोदी ने सोमवार को राजधानी के लुटियन जौन में विश्वभर दत्त मार्ग पर सांसदों के लिए नए बहुमंजिला आवासों का लोकार्पण करते हुए कहा दशकों से चली आ रही समस्याएं, टालने से नहीं, उनका समाधान खोजने से समाप्त होती हैं। सिर्फ सांसदों के निवास ही नहीं, बल्कि यहां दिल्ली

कई परियोजनाएं समय से पहले पूरी

प्रधानमंत्री ने कहा कि सरकार ने दृढ़ दृष्टिकोण के साथ कई परियोजनाओं का निर्माण समय से पहले पूरा किया है। उन्होंने कहा की पूर्व प्रधानमंत्री अटल बिहारी के कार्यकाल में जिस अवेस्टेड के नेशनल मेमोरियल की चर्चा शुरू हुई थी, उसका निर्माण 23 वर्षों के लंबे इंतजार के बाद इसी सरकार में हुआ। इसी तरह केंद्रीय सूचना आयोग और देश के वीर श्रेष्ठ पृष्ठ 7 पर



ये ऐसे अनेकों प्रोजेक्ट्स थे, जो कई-कई बरसों से शेष पृष्ठ 7 पर

इमरती कब तक रहेंगी मंत्री ?

हारे हुए मंत्री गिराज दंडोतिया ने दिया इस्तीफा; इमरती अब भी अड़ीं !

भोपाल। उपचुनाव हारने वाले सिंधिया समर्थक मंत्री गिराज दंडोतिया ने इस्तीफा दे दिया है। उन्होंने सोमवार को मुख्यमंत्री शिवराज सिंह चौहान को अपना इस्तीफा सौंप दिया है। इससे पहले मंत्री एलल सिंह कंधाना ने चुनाव हारने के 48 घंटे बाद ही इस्तीफा दे दिया था। लेकिन इमरती देवी चुनाव हारने के बावजूद इस्तीफा नहीं देने पर अड़ी हुई दिखाई दे रही हैं। सवाल यह है कि शिवराज सरकार की उपचुनाव के बाद पहली

कैबिनेट 26 नवंबर को होने जा रही है, जिसमें इमरती देवी शामिल होंगी या नहीं? नियम के मुताबिक पदभार ग्रहण से छह महीने तक पद पर बना रहा जा सकता है, इस हिसाब से उनका कार्यकाल 2 जनवरी तक है। लेकिन नैतिक रूप से हार के तुरंत बाद इस्तीफा देने की परंपरा रही है। इमरती देवी से बात करने की कोशिश की गई, लेकिन उनसे संपर्क नहीं हो पाया। हालांकि उनके भोपाल शेष पृष्ठ 7 पर



समर्थन मूल्य निर्धारित किए जाने के संबंध में रिपोर्ट तैयार की जाए। मुख्यमंत्री श्री चौहान आज मंत्रालय में सज्जियों के दाम के संबंध में उद्यानिकी विभाग का उच्च स्तरीय बैठक ले रहे थे। बैठक में मुख्य सचिव श्री उड्डाल सिंह बैस, कृषि उत्पादन आयुक्त श्री के.के. सिंह, अपर मुख्य सचिव डॉ. राजेश राजौरा, प्रमुख सचिव उद्यानिकी और अन्य संबंधित अधिकारी उपस्थित थे। मुख्यमंत्री श्री चौहान ने कहा कि किसानों को उनकी सज्जियों आदि उपज का समुचित मूल्य दिलवाना हमारा लक्ष्य है। इसके लिए अन्य राज्यों की व्यवस्थाओं का अध्ययन कर सज्जियों के न्यूनतम समर्थन मूल्य निर्धारित किए जाने संबंधी रिपोर्ट तैयार कर उनके समक्ष 2 दिन में प्रस्तुत की जाए। बैठक में बताया गया कि केरल आदि राज्यों में सज्जियों के न्यूनतम समर्थन मूल्य घोषित किए जाने की व्यवस्था है। केरल में इसके लिए किसानों का पंजीयन किया जा रहा है। मुख्यमंत्री श्री चौहान ने निर्देश दिए कि पशुपालन व संबंधित विभागों के अधिकारी सब्जी मंडियों आदि का औचक निरीक्षण कर देखें कि किसानों से सब्जी किस मूल्य पर खरीदी जा रही है और उपभोक्ता को किस मूल्य पर मिल रही है। थोक व खुदरा मूल्य में अधिक अंतर नहीं होना चाहिए।	समर्थन मूल्य निर्धारित किए जाने के संबंध में रिपोर्ट तैयार करें
	मुख्यमंत्री श्री चौहान ने सज्जियों के दाम के संबंध में उद्यानिकी विभाग की बैठक ली

संपादकीय

कांग्रेस में आंतरिक कलह

देश की सबसे पुरानी कांग्रेस पार्टी जिसने कई दशकों तक इस देश में एकछत्र राज किया है वह इन दिनों संक्रमण काल से गुजर रही है। चुनाव दर चुनाव हारने के बाद अब पार्टी नेतृत्व पर समालिया निशान लगने लगे हैं। बिहार विधानसभा चुनाव में कांग्रेस के कमजोर प्रदर्शन के बाद पहले कांग्रेस के वरिष्ठ नेता कपिल सिब्बल ने कांग्रेस हाई कमान पर हमला बोला था और अब कांग्रेस के एक अन्य वरिष्ठ नेता गुलामनबी आजाद ने भी कांग्रेस हाईकमान को आईना दिखाने की कोशिश की है। उन्होंने कहा है कि कांग्रेस अब पांच सितारा कल्चर छोड़े, फाईव स्टार होटलों से पार्टी नहीं चल सकती। उन्होंने कांग्रेस अध्यक्ष पद का चुनाव कराए जाने की मांग की है गौरतलब है कि कांग्रेस के वरिष्ठ नेता पी चितंबरम ने भी कांग्रेस पार्टी में आत्ममथन करने की बात कही थी। इसके पूर्व लगभग दो दर्जन कांग्रेस नेताओं ने कांग्रेस की अंतरिम अध्यक्ष सोनिया गांधी को पत्र भी भेजा था जिसे लेकर पार्टी ने बवाल मच गया था। दरअसल लगातार चुनाव में पराजय का सामना करने वाली कांग्रेस पार्टी में आंतरिक कलह थमने का नाम नहीं ले रही है, नतीजतन पार्टी कार्यकर्ता हताश और निराश हो चले हैं। गुलामनबी आजाद के मुताबिक कांग्रेस पार्टी की पिछले 72 सालों में इतनी खराब हालत पहली बार हुई है, उनकी यह बात सही लगती है। वास्तव में कांग्रेस पार्टी को अत्ममथन करने की सख्त जरूरत है पार्टी नेताओं को यह सोचना चाहिए कि आखिर वे कौन से कारण हैं जिसके चलते पार्टी का जनाधार सिकुड़ता जा रहा है। देश को एक सशक्त विपक्ष की आवश्यकता है और इसकी पूर्ती कांग्रेस पार्टी ही कर सकती है लेकिन वह विपक्ष की भूमिका भी दमदारी से निभाने में असफल होती जा रही है। कई राज्यों में तो स्थिति यह हो गई है कि राष्ट्रीय पार्टी कांग्रेस को अपना अस्तित्व बचाए रखने के लिए क्षेयिण पार्टियों का पिछलग्गू बनने के लिए बाध्य होना पड़ रहा है। निश्चित रूप से कांग्रेस जैसी पार्टी के लिए यह चिंता का विषय होना चाहिए, अब तो कांग्रेस पार्टी के नेतृत्व पर उसके सहयोगी दल भी उंगली उठाने लगे हैं। बिहार में हार के बाद कांग्रेस के सहयोगी दल राष्ट्रीय जनता दल ने अपनी हार का ठीकरा कांग्रेस पर ही फोड़ दिया है। उत्तर प्रदेश में भी समाजवादी पार्टी ने अब कांग्रेस से गठबंधन करने से इंकार कर दिया है यदि ऐसी ही स्थिति रही तो आने वाले समय में कांग्रेस पार्टी हासिए पर चली जाए तो कोई आश्चर्य नहीं होगा।

विचार

काम देने लायक छात्र

रोजगार के लिए पूरी तरह तैयार युवा देने के मामले में देश का अव्वल संस्थान आईआईटी दिल्ली पिछले साल के 54वें स्थान से लंबी छलांग लगाते हुए 27वें स्थान पर आ गया है। प्रसि्सी मानव संसाधन कंसल्टेंसी ग्रुप इमर्जिंग और अंतरराष्ट्रीय पत्रिका टाइम्स हाइअर एजुकेशन द्वारा जारी ग्लोबल एम्प्लॉयेबिलिटी रैंकिंग एंड सर्वे 2020 भारत के लिए राहत की खबर लेकर आया है। इस रैंकिंग में भारत ने न केवल अपनी स्थिति में सुधार करते हुए 15वां स्थान हासिल किया है बल्कि रोजगार के लिए पूरी तरह तैयार युवा देने के मामले में देश का अव्वल संस्थान आईआईटी दिल्ली पिछले साल के 54वें स्थान से लंबी छलांग लगाते हुए 27वें स्थान पर आ गया है। विभिन्न देशों की यूनिवर्सिटियों के प्रदर्शन के आधार पर तैयार की गई विस्तृत रिपोर्ट में भारत का 15वां स्थान 2010 में हासिल 23वें स्थान के मुकाबले एक उपलब्धि है। स्वाभाविक ही केंद्रीय शिक्षा मंत्री रमेश पोखिरियाल निशंक ने ट्वीट करके इस पर खुशी जताई है। हालांकि आईआईएससी बेंगलुरु पिछले साल के 43वें स्थान से लुढ़ककर 71वें स्थान पर आ गया है, लेकिन टॉप यूनिवर्सिटियों की लिस्ट में पांच भारतीय विश्वविद्यालय शामिल हैं जिनमें ऊपर बताए गए दोनों संस्थाओं के अलावा आईआईटी बॉम्बे, एमिटी यूनिवर्सिटी और आईआईटी खड़गपुर का भी नाम है। यह रैंकिंग 22 देशों के 8000 निर्युक्तिकर्ता मैनेजरों से बातचीत के आधार पर तैयार की गई है। मतलब यह हुआ कि हमारी टॉप की यूनिवर्सिटियों से निकले युवाओं को वैश्विक स्तर पर सीधे काम देने लायक माना जाता है और इस मोर्चे पर हमारी स्थिति बेहतर हो रही है। लेकिन टॉप की पांच या दस यूनिवर्सिटियों की चमक देश के बाकी उच्च शिक्षा संस्थानों की हालत को छुपा नहीं सकती, न ही उच्च शिक्षा की दशा सुधारने की जरूरत को छुपाएगी और भी रूप में कम होती है। इंजीनियरिंग की ही बात करें तो आईआईटी दिल्ली और बॉम्बे के इंजीनियर अपनी जगह हैं लेकिन पूरे देश में छह हजार से ज्यादा इंजीनियरिंग कॉलेज और संस्थान हैं जिससे हर साल औसतन करीब 15 लाख इंजीनियर निकलते हैं। जानकारों के मुताबिक डिग्री हासिल कर लेने के बावजूद अपने क्षेत्र में इनकी कुशलता इतनी कम होती है कि इनमें से महज 20 फीसदी को ही डिग्री के अनुरूप काम मिल पाता है। यही वजह है कि लंबे समय से देश में इंजीनियरिंग की पढ़ाई का स्तर ऊपर उठाने और इनके पाठ्यक्रमों को इंस्टी की नवीनतम आवश्यकताओं के अनुरूप समायोजित करने की जरूरत बताई जाती रही है। गैर तकनीकी उच्च शिक्षा में स्थितियां और खराब हैं। शिक्षकों की कमी से लेकर समय पर सत्र पूरा न होने तक ऐसी समस्याओं और शिकायतों की लंबी फेहरिस्त है जिस पर ध्यान देने की पुरसत कोई सरकार नहीं निकाल पा रही। ऐसे में ग्लोबल एम्प्लॉयेबिलिटी रैंकिंग में सुधार हमारे लिए खुशी मनाने से ज्यादा यह याद करने का मौका होना चाहिए कि उच्च शिक्षा के क्षेत्र में हमारे ज्यादातर संस्थानों की हालत कितनी खस्ता है और तत्काल प्रभाव से कितना कुछ करने की जरूरत है।

पाठकों की बात

गौतम गंभीर ने

गौतम गंभीर ने अपने सांसद निधि से दिल्ली में तीसरा एयर प्यूरिफायर सिस्टम लगा दिया है जो दुबई जैसे शहरों मे भी लगा है। केजरीवाल जितना पैसा मीडिया को दे रहा है यदि वह उतना पैसों से यह एयर प्युरीफयर सिस्टम लगवा देता तो दिल्ली के पोल्यूशन में भारी कमी आ जाती।

- **अमर प्रकाश जायसवाल**

अपनी तुलना दूसरों से बार - बार करने

अपनी तुलना दूसरो से बार - बार करने से हमारी अपने वास्तविक पहचान पूरी तरह खत्म हो जाती है, और हम दुखी होते है। सुखी अगर रहना है तो जो आपकी स्वयं की पहचान है उसे ही बनाए रखे और जीवन का आनंद उठाए यही सफल जीवन जीने का तरीका है।

- **मोना सेन गुप्ता**

पत्र, प्रतिक्रियाएं, सोशल मीडिया

ख़ास प़ाती

मैं ढूंढती हूँ कुछ पल

मैं ढूंढती हूँ कुछ पल , जो इतवार जैसा होता।कुछ वक्त होता मेरा , तो त्योहार जैसा होता। रखती हूँ ध्यान सबका , जी जान मैं लुटाकर। कोई ध्यान मेरा रखता , तो उपहार जैसा होता। लिए हाथ में फम्ले ,परोसती हूँ प्यार के निवाले। कोई चूमता हाथों को , तो प्यार जैसा होता। बनी मैं वृक्ष वट की , सबको समेटे हुए अँचल में। मुझे भी मिलता। आँचल , तो संसार जैसा होता। कभी टूटती सकिरण जो ,तो बनता कोई सहारा। बस एक साथ देता , तो हजार जैसा होता।

एक दम ताज़ा किस्मत को ही ग़म

एक दम ताज़ा किस्मत को ही ग़म उठाने होते हैं । बाकी सब तो और बहाने होते हैं ।। इश्क़ पै क़ुरबां जान उन्हीं की होती है, दुनिया में जो लोग दिवाने होते हैं । काम वही बस आते हैं वक़्त पड़े तो, लोग जहां में जो अंजाने होते हैं । इश्क़ मुहब्बत को मत आसां तुम समझो, हर दिन इसमें अश्क़ बहाने होते हैं । शब्द कहे तो सांचो तोला फिर बोलो, मुँह से निकले तो बेगाने होते हैं । मत सोचो तुम खुद से कुछ भी करते हो , सब मालिक के ताने बाने होते हैं । - **मित्र ग़ुज़ियावादी**

रूह को जला कर राख कर दिया

रूह को जला कर राख कर दिया है जिस्म अभी बाकी है अब..... जब भी हम रुबर मिलेंगे आम इसानों की तरह मुस्कुरा लिया करेंगे एक दूसरे के हाल पूछ लिया करेंगे यूँ इश्क़ की रस्म को निभा लिया करेंगे.....!!!!

- **अर्चना खण्डेलवाल**



योगेश कुमार गोयल

कश्मीरी पंडितों ने जब कश्मीर के सूबेदार शेेर अफ़्ग़ान के मार्फ़्त यह संदेश औरंगजेब तक पहुंचाया तो औरंगजेब बिप्रे उठा। उसने गुरु तेग बहादुर को दिल्ली बुलाकर उनके परम प्रिय शिष्यों मतिदास, दयालदास और सतीदास के साथ बंदी बना लिया और तीनों शिष्यों से कहा कि अगर तुम लोग इस्लाम धर्म कबूल नहीं करोगे तो कत्ल कर दिए जाओगे। भाई मतिदास ने उसे जवाब दिया कि शरीर तो नश्वर है और आत्मा का कभी कत्ल नहीं हो सकता। यह सुनकर औरंगजेब ने मतिदास को जिंदा ही आरे से चीर देने का हुक्म दिया। औरंगजेब के एरमान पर जल्लादों ने भाई मतिदास को दो तख़्तों के बीच एक शिकंजे में बांधकर उनके सिर पर आरा रखकर आरे से चीर दिया और उनकी बोटी-बोटी काट दी लेकिन जब भाई मतिदास को आरे से चीरा जाते लगा, तब भी वे भयभीत हुए बिना ‘श्री जपुजी साहिब’ का पाठ करते रहे।



मुनीष भाटिया

नशीले पदार्थों की अन्य श्रेणी जिजनेमें हेरोईन इत्यादि महंगे व अधिक घातक नशीले पदार्थों जिसके लिए विदेशी शक्तियों के साथ-साथ अंडरवर्ल्ड भी नशीले पदार्थों के व्यापार में सक्रिय है । क्योंकि इन्हीं असामाजिक तत्वों को धन की आवश्यकता है तथा धन के लिए ऐसे पदार्थों की तस्करी कर समाज में घेरी छिपे रहता रहे है । महानगरों के स्कूल-कॉलेजों से लेकर गली-नुकड़ के ठिकानों तक इन्होंने अपना जाल फैला रखा है। भारतीय फ़िल्मों में नशीले पदार्थों के लिए सामक सीन विशेष तौर पर तैयार किये जाते हैं जिन्होंने भारत की तटपट्टाई सहज ही आकर्षित हो जाती है । दुःख में या सुख में हय ऐसी स्थिति में प्रेम बनाया जाता है जहां शराब का महिमागंडन खूब होता है।

गुरु तेग बहादुर के 345 वें शहीदी दिवस पर विशेष

प्रेरणास्रोत है गुरु तेग बहादुर का जीवन

अमृतसर में 1 अप्रैल 1621 को माता नानकी की कोख से पैदा हुए गुरु तेग बहादुर का बचपन का नाम त्यागमल था, जिन्होंने धर्म और आदर्शों की रक्षा करते हुए अपनी जान न्यूछवार कर दी थी। उनकी इसी अद्वितीय शहादत की स्मृति में प्रतिवर्ष 24 नवम्बर को ‘गुरु तेग बहादुर शहीदी दिवस’ मनाया जाता है। मात्र 14 वर्ष की अल्पायु में ही उन्होंने अपने पिता के साथ मुगलों के हमले के खिलाफ हुए युद्ध में वीरता का परिचय दिया था और उनकी इस वीरता से प्रभावित होकर उनके पिता ने ही उनका नाम ‘तेग बहादुर’ (तलवार का धनी) रखा था। सिखों के 8वें गुरु हरिकृष्ण राय की अकाल मृत्यु हो जाने के बाद तेग बहादुर को नवां गुरु बनाया गया था, जिनके जीवन का प्रथम दर्शन ही यही था कि धर्म का मार्ग सत्य और विजय का मार्ग है।

सिखों के नवें गुरु तेग बहादुर सदैव सिख धर्म मानने वाले और सच्चाई की राह पर चलने वाले लोगों के बीच रहा करते थे। उन्होंने न केवल धर्म की रक्षा की बल्कि देश में धार्मिक आजादी का मार्ग भी प्रशस्त किया। उन्होंने हिन्दुओं तथा कश्मीरी पंडितों की मदद कर उनके धर्म की रक्षा करते हुए अपने प्राण वंचाए थे। कर्कुर मुगल शासक औरंगजेब ने उन्हें हिन्दुओं की मदद करने और इस्लाम नहीं अपनाने के कारण मौत की सजा सुनाई थी और उनका सिर कलम करा दिया था। उस आततायी और धर्मान्ध मुगल शासक की धर्म विरोधी तथा वैचारिक स्वतंत्रता का दमन करने वाली नीतियों के विरूद्ध गुरु तेग बहादुर का बलिदान एक अभूतपूर्व ऐतिहासिक घटना थी। विश्व इतिहास में धर्म एवं मानवीय मूल्यों, आदर्शों एवं सिद्धांतों की रक्षा के लिए अपने प्राणों की आहुति देने वालों में गुरु तेग बहादुर का स्थान अद्वितीय है और एक धर्म रक्षक के

रूप में उनके महान् बलिदानों को समूचा विश्व कदापि नहीं भूल सकता।

उस समय हिन्दुस्तान में मुगल बादशाह औरंगजेब का शासन था। वह ऐसा समय था,



जब पूरी कट्टरता और निर्ममता के साथ इस्लाम धर्म का प्रचार-प्रसार किया जा रहा था, हर तरफजुल्म का सम्राज्य था और खून की नदियां बहाकर लोगों को धर्म परिवर्तन करने के लिए विवश किया जा रहा था। औरंगजेब ने आदेश पारित किया कि राजकीय कार्यों में किसी भी उच्च पद पर किसी हिन्दू की नियुक्ति न की जाए और हिन्दुओं पर ‘जजिया’ (कर) लगा दिया जाए। उसके बाद हिन्दुओं पर हर तरफ अत्याचार का बोलबाला हो गया। अनेक मंदिरों को तोड़कर वहां मस्जिदें बनवा दी गईं और मंदिरों के पुजारियों, साधु-संतों की हत्याएं की गईं। हिन्दुओं पर लगातार बढ़ते अत्याचारों और भारी-भरकम नए-नए कर लाद दिए जाने से भयभीत बहुत सारे हिन्दुओं ने उस दौर में धर्म परिवर्तन करारक मजबूरन इस्लाम धर्म अपना लिया। औरंगजेब के

हुए कहा कि उनके पास अब दो ही रास्ते बचे हैं कि या तो वे धर्मांतरण करारक मुस्लिम बन जाएं या अपना सिर कटाएं। उनकी पीड़ा सुन गुरु जी ने गुरु नानक की पंक्तियां दोहराते हुए कहा:-

जे तउ प्रेम खेलेण का चाउ। सिर धर तली गली मेरी आउ॥

इत मारग पेर धरो जै। सिर दीजै कपि न कीजै॥

उन्होंने कहा कि यह भय शासन का है, उसकी ताकत का है पर इस बाहरी भय से कहीं अधिक भय हमारे मन का है, हमारी आत्मिक शक्ति दुर्बल हो गई है, हमारा आत्मबल नष्ट हो गया है और इस बल को प्राप्त किए बिना यह समाज भयमुक्त नहीं होगा तथा बिना भयमुक्त हुए यह समाज अन्याय

बॉलीवुड से मादक पदार्थों की सफाई के लिए संकल्प शक्ति है जरूरी

मादक पदार्थ रखने के अपराध में एन सी बी द्वारा पिछले दिनों से निरंतर की जा रही कार्यवाही को कड़ी में अब नया नाम ख्याति प्राप्त कॉमेडियन भारती सिंह उनके पति हर्ष का जुड़ गया है। इसमामले में एन सी बी ने छापामारी के दौरान भारती सिंह के घर और कार्यालय से 86.5 ग्राम गांजा बरामद किया और इस सम्बन्ध में पूछताछ के दौरान इसके सेवन की बात भी स्वीकार कर ली है जिसके बाद उनकी गिरफ्तारी को अंजाम दिया गया। राष्ट्रीय नारकोटिक्स नियंत्रण संस्थान द्वारा की जा रही जांच में बॉलीवुड में गांजा पदार्थों की आसानी से पहुँच बारे नित्य नए नए खुलासे हो रहे हैं जो नशीले पदार्थों की समाज की प्रत्येक इकाई तक व्याप्त होने का ज्वलंत उदाहरण है। ड्रग पैडलर्स की व्यापक पैमाने पर बॉलीवुड में पहुँच यह प्रश्न चिन्ह खड़ा करता है कि जिन नायक नायिकाओं को आम

भारतीय जन अपना आदर्श समझता है वास्तव में उन आदर्शों के पीछे की हकीकत थिनीही है। वैसे तो बॉलीवुड में नशे की बात नयी नहीं हैं। यदि फ़िल्मी इतिहास के नायक नायिकाओं का करें तो ये फेहरिस्त बहुत लम्बी है जहाँ नशे की लत से चरम शिखर पर पहुँचे नायक नायिकाओं ने खुद के जीवन और फसले फूलते करिअर को भी दांव पर लगा दिया।

हालांकि शराब और सिगरेट जो कि भारत में प्रतिबंधित तो नहीं हैं उसका यहाँ खुले रूप में बॉलीवुड कलाकारों द्वारा स्टेट्स सिंबल के रूप में प्रयोग किया जाता है। मुम्बईया देर रात पार्टियों में नशे में धुत तथाकथित सितारों नशे में झुलते कई बार कैमरे में कैद भी हो चुके हैं। बड़े से बड़े सितारों के नशे में किये गए झगड़े मीडिया में यदा कदा सुर्खियों बटोरते भी रहते हैं। स्टार संतानों या फिर स्थापित तथाकथित सितारों के नशे के मकड़जाल में फंसे होने की बात तो समझ आती है क्योंकि उन्हें अपने परिवार में माहौल



निकलकर प्रतिभा के दम पर कॉमेडियन सम्राज्ञी बनने के जीवन में नशे का प्रवेश कब हो गया। इस तरह ये तो साफ है कि अब नशे और बॉलीवुड का चोली दामन का साथ जग जाहिर हो चुका है एवं इसकी सरलता से उपलब्धता ही है जिसके आकर्षण में शायद ही कोई कलाकार बच सकता हो। कहा भी गया है कि जब कोई चीज़ की उपलब्धता प्रचुर मात्र में खुले आम होने लगे तो उसकी खपत बढ़ना लाजिमी है शायद यही वजह है कि तथाकथित किक के नाम पर शुरू किया जाने वाला स्टंट जीवन का एक हिस्सा बन जाता है। फिर उसके पक्ष में कुतर्क दिए जाने लगते हैं कि स्ट्रेस की वजह से या आत्मविश्वास की भावना बढ़ाने के लिए इनका निरंतर उपयोग होना अवश्यमावी है। अतः प्रशासन को इस तथाकथित आत्मविश्वास बढ़ाने वाले कलाकारों के फ़र्मुले को नज़रंदोज नहीं करना होगा साथ ही बॉलीवुड को नशामुक्त करने का संकल्प करना होगा।

अफ़सोस की बात है कि भारतवर्ष का जो युवा फिल्मों के हीरो जैसा खुद के अक्स विकसित करना चाहता है वह भी नशीले पदार्थों के मकड़जाल में फँसकर आरम्भ हो जाता है। इस तरह आज का फ़िल्मी जगत के हीरो की भांति आज का युवा भी सिगरेट और कोकीन के सफ़ेद धुएँ में वह अपनी तरफ़ाई को उड़ा, समाज को गलत मिसाल कायम कर रहा है। बेशक किसी भी फिल्म के आरम्भ में सिगरेट, शराब और अन्य मादक पदार्थों के सेवन ना करने की लम्बी चौड़ी वैधानिक चतावनी दी जाती है जिसका असर समाज पर होना तो दूर बॉलीवुड के कलाकार भी प्रभावित नहीं हो पाते। आका फ़िल्मी जगत न केवल धुम्रपान, अपितु अन्य रासायनिक नशीले पदार्थों की गिरफ्त में आ चुका है । जिनमें आसानी से उपलब्ध होने वाले नशीले पदार्थों में गुटखा, शराब, बीड़ी तो हैं ही साथ

गांजा ,स्मैक और रासायनिक नशे भी शामिल हैं। कई राज्य सरकारों द्वारा भाग, गांजा या मेरिजुआना की खेती को वैध घोषित किया हुआ है और बाकायदा उसके लिए सरकारी ठेके भी आर्बटित किये जाते हैं। हालाँकि भारत में गांजा की फसल का उपयोग मुख्यतः दवाइयों इति्यादि के निर्माण हेतु ही किया जाता है किन्तु फिर भी यह चोरी छिपे गाँवों-शहरों के युवावर्ग तक पहुँच ही जाती है। भारत के कई स्थल तो गांजा के आसानी से उपलब्धता के कुख्यात केंद्र बने हुए हैं जहाँ युवा वर्ग के साथ विदेशी पर्यटक भी खास नशे में चूर होने के लिए विश्व के कोने कोने से हर वर्ष यहाँ आते रहते हैं। अति सुलभता से विद्यमान शराब सिगरेट और गुटखा पदार्थ के नशे समाज की जड़ें खोखली कर रहा है। इन नशीले पदार्थों के ऊपर मात्र औपचारिकता वश वैधानिक चतावनी अंकित होती है, जिसका इनके सेवन करने वालों पर कोई प्रभाव नहीं पड़ता।

QUIZ TIME

- छत्तीसगढ़ में किस स्थान पर जंगलों में खरीफसीजन में केवाच की खेती की जाएगी?
- प्रबंध परिजात निबंध के रचनाकार है?
- मार्च 2018 तक छत्तीसगढ़ में सभी ख़ोतों से कुल सिंचाई में नलकूप से सिंचाई का प्रतिशत क्या है?
- सातवाहन कालीन काष्ठ स्तंभ कहीं से प्राप्त हुआ है?
- रिटायर आईएएस अधिकारी का नाम बताए जिनका निधन हो गया था। जिन्हें 2012 में सरकार ने माध्यमिक शिक्षा मंडल का चेयरमैन बनाया गया था?

झरु जावज्हा (५) झरव्हु (४) झरझु 6८ (६) झरझ झरझाजी झरझरुनी (८) झरझ र्हा झरझरन (1) -झरझरुड

आज का इतिहास

नई दिल्ली। 1759 - इटली में विस्वियस पर्वत शिखर पर ज्वालामुखी विस्फोट हुआ। 1831 - ब्रिटेन के भौतिकशास्त्री माइकल फेरेडे ने बिजली की खोज की। 1832 - दक्षिण कैरोलिना ने अधिसूचना का अध्यादेश पारित किया। 1871 - राष्ट्रीय राइफल एसोसिएशन का आयोजन किया गया। 1877 - डिटी कमिश्नर बनने वाले पहले हिंदुस्तानी कवासाजी जमाशेदजी पेंटरगार का जन्म। 1903 - क्लाइड कोलमैन ने ऑटोमोबाइल इलेक्ट्रिक स्टार्टर का पेटेंट कराया। 1904 - पहला सफ़ल कैटरपिलर ट्रैक का निर्माण किया गया। 1914 - बेनितो मुसोलिनी को इटालियन समानवादी पार्टी से बाहर निकला गया। 1926 - प्रख्यात दार्शनिक श्री अरविंदो को पूर्ण सिद्धि की प्राप्ति हुई। 1944 - फिल्म अभिनेता और फिल्म निर्देशक अमोल पालेकर का

जन्म। 1961 - विश्व खाद्य कार्यक्रम (डब्ल्यूएफपी) को संयुक्त राष्ट्र के अस्थायी कार्यक्रम में शामिल किया गया। 1966 - कांगो की राजधानी किंसासा में पहला टीवी स्टेशन खुला। 1976 - पूर्वी तुर्की में ओलादिरन-मुरादी के भूकंप ने कम से कम 4,000 लोगों की जान ली। 1988 - एंटी डिफेंसन कानून के तहत पहली बार लोकसभा सांसद लालकृहेमा को अयोग्य करार दिया गया। 2003 - हिंदी फिल्मों में कॉमेडी का तड़का लगाने वाली उमा देवी खत्री का निधन हुआ। 2007 - पाकिस्तान के पूर्व प्रधानमंत्री नवाज शरीफ आठ वर्षों के निर्वासन के बाद स्वदेश पहुंचे। 2008 - इंग्लैंड के प्रधानमंत्री गॉर्डन ब्राउन ने 1975 के बाद पहली बार आयकर दर बढ़ाने की योजना बनाई।

जिले के मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी डॉ. रतेश कुरीया ने बताया कि कोविड-19 के शुरू होते ही एंटीबायोटिक दवाओं का लोगो ने बिना चिकित्सकों की सलाह के सेवन किया, जो कि कहीं न कहीं उनके ही स्वास्थ्य के लिए हानिकारक भी हो सकता है। एंटीबायोटिक का बेजा इस्तेमाल लोगों में रोग प्रतिरोधक क्षमता कम कर रहा है, ऐसे में यह स्थिति आगे चलकर काफी गंभीर होने वाली है। उन्होंने यह बात आज जिला अस्पताल के आरसीएचके मीडिंग हॉल में 18 नवम्बर से 24 नवम्बर तक चलने वाले एंटीबायोटिक अवेयरनेस वीक के दौरान आयोजित प्रेस कांफ्रेंस में पत्रकारों से चचाज के दौरान की। उन्होंने सचेत किया कि एंटीबायोटिक दवाओं का सेवन व ब्रिकों सिफ्रू चिकित्सक के प्रिस्क्रिप्शन पर ही दे जाना चाहिए। कांफ्रेंस में जिला अस्पताल के आरएमओ डॉ. संजय जैन ने बताया कि एंटीबायोटिक दवाओं का उपयोग पशुओं व कृषि क्षेत्र में भी किया जा रहा है, जिसके कारण रोग प्रतिरोधक क्षमता भी अवरुध पा रही है। इसके लिए असी वसी वगैरह को आकर जंगलरूकता फैलानी होगी। डीएमओ/पीएचओ अजय कुरी ने कहा कि जागरूकता की इस मुहिम में मीडिया की भूमिका बहुत महत्वपूर्ण है। मीडिया के साथ स्वास्थ्य विभाग समन्वय बनाते हुए इस पर अब तेजी से काम करने की प्तानिंग में जुटा हुआ है। उन्होंने कांफ्रेंस समापन पर मीडिया का आभार व्यक्त किया। पत्रकारतावाज में सिविल सज्जन डॉ. सीबी अरोरा, डीआईओ डॉ. एसएस दाहिजा, डॉ. वमाच, अंजू सिस्टर, निशांत चौरसिया, विनिता सिस्टर उपस्थित रही।

बालाघाट (नवप्रदेश)। कले टर एवं जिला दक्षिणीसी मेरी सीपक आउने मे ईश्वरधर राज्य सुरक्षा अतिविधियामे के अंतर्गत कार्यवाही करने हेतु खरखलांजी तहसील के ग्राम खरखडी के ईश्वरधर बिरैन जिला सुरक्षा बिसेयन को एक वर्ष की अवधि के लिए बालाघाट, सिक्किम मंडला एवं हिंडोली जिले की राजस्व सीमाओं से निष्कासित करने के आदेश दिये हैं। खरखलांजी तहसील के ग्राम खरखडी के निवासी 47 वर्षीय ईश्वरधर बिरैन पिता सुरक्षा बिसेयन के विरुद्ध थानों में भादवि की विभिन्न धाराओं के अंतर्गत 20 प्रकरण दर्ज हैं। उसके कारण नामांक की शांति भंग होणे एवं आम नागरिक की सुरक्षा को खतरा उत्पन्न होने के कारण जिला दंडाधिकारी द्वारा उसके विरुद्ध ईश्वरधर राज्य सुरक्षा अतिविधियामे के अंतर्गत कार्यवाही बढर की कार्यवाही की गई है और उसे तत्काल बालाघाट, सिक्किम, मंडला एवं हिंडोली जिले की राजस्व सीमाओं से एक वर्ष की अवधि के लिए बाहर चले जाने कहा गया है।

पति रविंद्र पारधी को ग्राम के ही गोपाल ठाकरे द्वारा बार-बार सभा में अपमानजनक शब्दों का उपयोग करते हुए अभद्रतापूर्वक जलिल किया जाता है और आवेदक के घर शराब पीकर आता है और गंदी-गंदी गालियां देता है। अनावेदक द्वारा लिखी रिपोर्ट बनाकर आवेदक के झूठी फ़ाईल कई प्रकार की धारा लगाई गई है जो झूठ व नाजायज है।

